राज्यपाल देंगी 61 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का 9वां दीक्षांत समारोह 18 को

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का 9 वें दीक्षांत समारोह 18 नवंबर को होगा। इसमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 61 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक देंगी। 149 विद्यार्थियों को पदक दिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय की प्रवक्ता डॉ. रूचिता सुजॉय चौधरी ने बताया कि मुख्य अतिथि सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजिनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी के डॉयरेक्टर जनरल प्रो. शिशिर सिन्हा होंगे। विश्वविद्यालय में सत्र 2023–24 में 2891 छात्र और 1463 छात्राएं और अन्तिम वर्ष में 1430 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इसमें 61 विद्यार्थियों (22 छात्र और 39 छात्राएं) को स्वर्ण पदक दिया जाएगा। 45 विद्यार्थियों रजत पदक और 43 को कांस्य पदक दिया जाएगा।

भाषा विवि में कार्यशाला का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ: ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा शनिवार को वेब डेवलपमेंट जावा विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पंकज मिश्रा द्वारा विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला के संयोजक डॉ. मजहर ख़ालिक़, विषय प्रभारी, सह-समन्वयक के रूप में डॉ. रज़ा अब्बास हैदरी, सहायक प्रोफेसर, और शगुफ्ता खान, सहायक प्रोफ़ेसर भी उपस्थित रहे।

छात्रों ने निकाली जागरुकता रैली

अमृत विचार, लखनऊ: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय बीएड विभाग में प्रथम सेमेस्टर व तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने सामुदायिक कार्य का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर सामाजिक मुद्दे पर रैली निकाली गई। तत्पश्चात जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए पौधरोपण किया गया। विभाग के डॉ नलिनी मिश्रा, डॉ बुशरा अलविरा, डॉ रामदास, डॉ स्वेता अग्रवाल, डॉ विभा सिंह व समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।

ध्रुव सेन सिंह ने गंगोत्री ग्लेशियर के रहस्य बताए

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में 26वां प्रो. एसएन सिंह मेमोरियल लेक्चर आयोजित किया गया।

इसमें भूविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने ग्लेशियरों के पीछे हटने की दरों, गंगोत्री ग्लेशियर को पोषित करने वाले सहायक ग्लेशियरों और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से ग्लेशियर व्यवहार की जटिलताओं के बारे में बताया। बताया कि कुछ ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के बावजूद भी बढ़ रहे हैं। केम टेरेस पर महत्पूर्ण निष्कर्ष साझा किए।

जिसमें लगभग 5000 और 15000 वर्ष पूर्व गंगोत्री ग्लेशियर के समीप अत्यधिक जल निकासी गतिविधि के साक्ष्य पाए गए। प्रो. एमपी सिंह ने प्रो. एसएन सिंह की यादें साझा कीं। पीसीआई के अध्यक्ष डॉ. राजीव निगम सहित 50 से अधिक वैज्ञानिकों ने ऑनलाइन भाग लिया।

विशेष अतिथि नीदरलैंड्स से डॉ. थिज वैन कोल्फस्कॉटेन के पूर्व अध्यक्ष और मुख्य अतिथि बीरबल साहनी जीवाश्म विज्ञान संस्थान और वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एमजी ठक्कर रहे। डॉ. अंजू सक्सेना ने पीएसआई की स्थापना के बारे में जानकारी दी।

छात्रों के पेशेवर कौशल को बढ़ाने के लिए हुआ सेमिनार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों को पेशेवर कौशल विकसित करने के गुर सिखाए गए।

प्रो. अवधेश कुमार ने अकादमिक शिक्षा और वास्तविक दुनिया के उद्योग अनुभवों के बीच पुल बनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की पहल का उद्देश्य छात्रों के शैक्षिक अनुभव को समृद्ध करना और उनके पेशेवर कौशल को बढ़ाना है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सफलता के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षिक या पेशेवर लक्ष्य की दिशा में यात्रा की शुरुआत समस्या को पहचानने, उसे स्पष्ट रूप से परिभाषित करने और फिर व्यवस्थित और कठोर शोध के माध्यम से परिणाम प्राप्त करने से होती है।

वाणिज्य संकाय की डीन प्रो. रचना मुजो ने भी उपस्थित छात्रों को संबोधित किया और इस प्रकार के विशेष व्याख्यानों के महत्व को रेखांकित किया, जो छात्रों को पेशेवर दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपकरण और ज्ञान प्रदान करते हैं।

एडवा ने किया महिला आयोग की एडवाइजरी का विरोध

अमृत विचार, लखनऊ: अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति (एडवा) ने महिला आयोग की एडवाइजरी की निंदा की है। एडवाइजरी में महिलाओं के कपड़ों की नाप-जोख केवल महिला दर्जी से करवाने के लिए राज्य सरकार से कानून लाने की सिफारिश की गई है। सैलून में भी महिलाओं से ही बाल कटवाने व जिम में महिला जिम ट्रेनर की नियुक्ति की भी बात कही गई है। एडवा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह महिलाओं की स्वतंत्रता पर हमला है।

भाषा विवि में हुए दीक्षोत्सव में छात्र-छात्राओं ने दिखाए हुनर

लखनऊ, लोकसत्य। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 18 नवंबर को होने वाले नौवें दीक्षांत समारोह से पूर्व कुलपति प्रो एनबी सिंह के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय परिसर में दीक्षोत्सव 11 से 16 नवंबरतक किया जा रहा है ।

शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से सोमवार को पारंपरिक खेल रस्सीकूद (महिला वं पुरुष), गोला फेंक (महिला वं पुरुष) प्रतियोगिताएं हुईं। शुभारंभ कुलपति प्रो एनबी सिंह ने किया। रस्सीकूद प्रतियोगिता पुरुष वर्ग में 9 व महिला वर्ग में 5 प्रतिभागियों ने भाग लिया 1 रस्सीकूद प्रतियोगिता (पुरुष) में प्रथम अक्षत बाजपेई, द्वितीय स्थान आशीष शर्मा, तृतीय स्थान गौरव कुमार ने प्राप्त किया 1 रस्सीकूद प्रतियोगिता (महिला) मे बरीरा युमन प्रथम, अनमता बनो द्वितीय व मोहिनी देवी ने तृतीय स्थान प्राप्त

किया 1 गोला फेंक प्रतियोगिता पुरुष वर्ग मे 13 एवं महिला वर्ग मे 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

गोला फेंक प्रतियोगिता (पुरुष) मे प्रथम मो वसीम, द्वितीय स्थान हरे कृष्णा, तृतीय स्थान अक्षत बाजपेई ने प्राप्त किया 1 गोला फेंक प्रतियोगिता (महिला) मे सुषमा प्रथम, श्रद्धा पांडेय द्वितीय, बरीरा युमन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया 1 प्रतियोगिता का संचालन मो शारिक प्रभारी-शारीरिक शिक्षा विभाग एवं डॉ नलिनी मिश्र, सदस्य-स्पोर्ट्स क्लब ने किया।

Lucknow 12-11-2024

http://epaper.loksatya.com/

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक लोकसत्य

भाषा विवि में हुआ दीक्षोत्सव का आगाज़

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ मे 18 नवंबर, 2024 को होने वाले नवम दीक्षांत समारोह से पूर्व माननीय कुलपति महोदय प्रो0 एन0 बी0 सिंह के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय परिसर में दीक्षोतसव, 2024 का आयोजन दिनांक 11-16 नवंबर, 2024 तक किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आज दिनांक 11 नवंबर, 2024 को पारंपरिक खेल रस्सीकूद (महिला वं पुरुष) एवं गोला फेंक (महिला वं पुरुष) प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ माननीय कुलपति महोदय द्वारा किया गया। रस्सीकूद प्रतियोगिता पुरुष वर्ग मे 09 एवं महिला वर्ग मे 05 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। रस्सीकूद प्रतियोगिता (पुरुष) मे प्रथम स्थान अक्षत बाजपई ने, द्वितीय स्थान आशीष शर्मा ने एवं तृतीय स्थान गौरव कुमार ने प्राप्त किया। रस्सीकूद प्रतियोगिता (महिला) मे बरीरा युमन प्रथम, अनमता बनो द्वितीय एवं मोहिनी देवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक प्रतियोगिता पुरुष वर्ग मे 13 एवं महिला वर्ग मे 13 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। गोला फेंक प्रतियोगिता (पुरुष) मे प्रथम स्थान मो0 वसीम ने, द्वितीय स्थान हरे कृष्णा ने एवं तृतीय स्थान अक्षत बाजपाई ने प्राप्त किया। गोला फेंक प्रतियोगिता (महिला) मे सुषमा प्रथम, श्रद्धा पाण्डे द्वितीय एवं बरीरा युमन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संचालन मो0 शारिक प्रभारी-शारीरिक शिक्षा विभाग एवं डॉ0 नलिनी मिश्र, सदस्य-स्पोर्ट्स क्लब द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का निर्णायन डॉ0 हसन मेहदी, सहायक आचार्य (अस्थाई) शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रो0 चंदना डे, संयोजक-दीक्षोतसव कार्यक्रम, 2024 एवं डॉ नीरज शुक्ल, उपाध्यक्ष क्रीड़ा परिषद द्वारा उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी गयी। दीक्षोत्सव समारोह के पहले दिन के अंतर्गत Technovation: द केएमसी स्पार्क 4.0 इवेंट का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शान-ए-फातिमा, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग ने किया, जबकि आयोजन का नेतृत्व डॉ. आर.के. त्रिपाठी, निदेशक, इंजीनियरिंग फैकल्टी ने किया। इस आयोजन में बी.टेक (CSE), AIML, AI एंड डेटा साइंस, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, बायोटेक्नोलॉजी और फार्मेसी की कुल 20 टीमों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 70 छात्रों ने अपनी प्रतिभागिता दी। छात्रों ने ड्रोन, रोबोट, माइक्रोमाउस, स्वचालित सिंचाई प्रणाली, टनल स्कैनिंग रोबोट इत्यादि जैसे 24 शानदार प्रोजेक्ट्स स्वयं बनाए और उनको प्रदर्शित किया। इस मौके पर माननीय कुलपति प्रो. एन.बी. सिंह ने सभी प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया और छात्रों की सराहना करते हुए उनके प्रोजेक्ट्स को भविष्य में और बेहतर बनाने के लिए अपने गहन सुझाव एवं टिप्पणियां भी दीं। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में प्रो. सैयद हैदर अली (एचओडी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट), डॉ. मजहर खलीक (एचओडी, कंप्यूटर एप्लीकेशन) और डॉ. रजा अब्बास हैदरी (सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर एप्लीकेशन) ने भूमिका निभाई।यह आयोजन विद्यार्थियों के नवाचार, तकनीकी कौशल और उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाला रहा और सभी प्रतिभागियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ0 रुचिता सुजॉय चौधरी, डॉ0 पुनम, डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ प्रिया, डॉ चेतना इत्यादि शिक्षक सहित भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कैम्पस 30s

भाषा विवि में स्वास्थ्य पर एमओयू

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय और हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के बीच एमओयू साइन किया गया। एमओयू का उद्देश्य भाषा विश्वविद्यालय में एक स्वास्थ्य क्लिनिक की स्थापना, नियमित चिकित्सा सेवाओं की सुविधा, और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार शामिल है। इससे छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ-साथ लोगों को भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

गायन व नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

दीक्षोत्सव के तीसरे दिन नृत्य व गायन प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम। अमृत विचार

अमृत विचारः ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में चल रहे दीक्षोत्सव-2024 के तीसरे दिन छात्रों ने लोक कलाओं में अपना कौशल प्रस्तुत किया। एकल गायन प्रतियोगिता में भजन और गजल विधाओं में छात्र-छात्राओं ने अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। गजल श्रेणी में खुश्बू तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, मोहम्मद मुजम्मिल को दूसरा स्थान और शाहीन खानम को तीसरा स्थान मिला। वहीं, भजन श्रेणी में प्रियांशु दीक्षित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और आकांक्षा सिंह चौहान ने दूसरा स्थान हासिल किया।

निर्णायक मंडल में लेफ्टिनेंट डॉ. बुशरा अलवेरा व डॉ. राहुल कुमार मिश्रा रहे जिनके द्वारा प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की गई। शास्त्रीय और लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े विभिन्न लोक और शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत

▸▸ भाषा विश्वविद्यालय में प्रतिभागियों ने दिखाया कौशल

किए, जिनमें कथक, भरतनाट्यम, गरबा, भांगड़ा, और अन्य पारंपरिक नृत्यों की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक संचालित करने में डॉ. मनीष कुमार और अफरीन फातिमा के साथ छात्र स्वयंसेवकों मोहम्मद कैफ, मोहम्मद शारिक, और मोहम्मद अदीब ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मेले में पुस्तकें देखते छात्र। अमृत विचार

छात्रों ने किया मेले का भ्रमण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता व जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों ने बुधवार को नेशनल बुक ट्रस्ट की ओर से आयोजित पुस्तक महोत्सव का भ्रमण किया। गोमती नगर के रिवर फ्रंट पर आयोजित पुस्तक मेले में विद्यार्थियों ने पुस्तकों के सागर से अपनी पसंद की पुस्तकें लीं। काजिम रिजवी और मोहम्मद नसीब के नेतृत्व में हुए इस शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से स्टूडेंट्स को नए लेखकों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई साथ ही पुराने लेखकों की रचनाओं से मुखातिब होने का मौका भी मिला।

दास्तानगोई से लेकर कथक, पि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ गोमती पुस्तक महोत्सव का पांचवां दिन

▸▸ पुस्तकों के समुद्र में खोये रहे लोग

अमृत विचार : रिवर फ्रंट पर चल रहे गोमती पुस्तक महोत्सव में बुधवार को हिमांशु वाजपेयी की दास्तानगोई मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। दास्तानगोई में उन्होंने अपने विशिष्ट अंदाज में कहानियों को समाज, समय और संस्कृति के करीब लाने वाला बताया। अपनी कहानियों के माध्यम से उन्होंने लखनऊ के इतिहास और संस्कृति से जुड़े किस्से सुनाये। दास्तानगोई की शुरुआत करते हुए हिमांशु ने अपने कविता पढ़ी, लखनऊ में कुछ भी नहीं है सिर्फ बातें हैं।

बुधवार को लेखकगंज के मंच पर प्रख्यात फिल्मकार फोन्सोक लद्दाखी ने कहा कि जो सुनेगा वह बोल सकता है, जो देखेगा वह कर सकता है। उन्होंने रिहर्सल बनाम टेक थियेटर और फिल्म में अभिनेता के संघर्ष की कहानी विषय पर आयोजित सत्र में दर्शकों को बताया कि मनुष्य की प्रवृत्ति, काया और चित्त से जुड़कर बनती है। मनुष्य पांच इंद्रियों और एक मन से कार्य करता है, इन्हीं के माध्यम से अभिनय की प्रक्रिया को भी सुचारु रूप से समझ सकता है। इंद्रियों पर राग, द्वेष और मोह का जोर होता है। इन भावों को काबू किया जाना चाहिए नहीं तो कलाकार अंधकार की

भाषा वि.वि. में दीक्षोत्सव के तीसरे दिन एकल गायन एवं नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में चल रहे दीक्षोत्सव 2024 का तीसरा दिन था जिसमें विद्यार्थियों ने लोक कलाओं में अपना कौशल प्रस्तुत किया। तीसरे दिन एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें भजन और ग़ज़ल विधाओं में छात्र-छात्राओं ने अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. ततहीर फातिमा और समन्वय डॉ. मजहर खालिक ने किया। प्रतियोगिता में ग़ज़ल और भजन के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी भावनाओं को संगीतमय तरीके से प्रस्तुत किया, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। ग़ज़ल श्रेणी में खुश्बू तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, मोहम्मद मुजम्मिल को दूसरा स्थान और शाहीन खानम को तीसरा स्थान मिला। वहीं, भजन श्रेणी में प्रियांशु दीक्षित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और आकांक्षा सिंह चौहान ने दूसरा स्थान हासिल किया। डॉ. ताहिरा फातिमा ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता छात्रों के आत्मविश्वास और उनकी सांस्कृतिक प्रतिभा को निखारने का एक माध्यम है। डॉ. मजहर खालिक ने भी इस आयोजन की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों में सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करते हैं।

शास्त्रीय और लोक नृत्य प्रतियोगिता

दीक्षोत्सव की श्रृंखला में शास्त्रीय और लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी नृत्य प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का संयोजन प्रो. सैयद हैदर अली ने किया और समन्वयक के रूप में प्रो. एहतेशाम अहमद ने भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में शास्त्रीय और लोक नृत्य थीम पर आधारित प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े विभिन्न लोक और शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किए, जिनमें कथक, भरतनाट्यम, गरबा, भांगड़ा, और अन्य पारंपरिक नृत्यों की झलक दिखाई दी। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. सैयद हैदर अली ने कहा, इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को भारतीय शास्त्रीय और लोक कलाओं के प्रति प्रेम और समझ विकसित करने का अवसर मिला।

भाषा विवि में शुक्रवार को पांच दिवसीय दीक्षोत्सव के समापन पर सम्मानित किए गए विद्यार्थी। -संवाद

दीक्षोत्सव समाप्त, विजेता पुरस्कृत

भाषा विवि में 18 को नौवां दीक्षांत समारोह

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में शुक्रवार को पांच दिवसीय दीक्षोत्सव का समापन हुआ। विवि में 18 नवंबर को नौवां दीक्षांत समारोह है। इसके उपलक्ष्य में परिसर में सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें शॉटपुट थ्रो/रोप जंप, टेक्नोवेशन, नुक्कड़, रंगोली, गायन, नृत्य के साथ भाषण प्रतियोगिताएं हुई। इनके विजेताओं को कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ना है तो हर अवसर पर खुद को साबित करना होगा। कार्यक्रम में डॉ. पूनम चौधरी, प्रो. तनवीर खदीजा, प्रो. एहतेशाम अहमद, डॉ. ततहीर फातिमा, डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. रूचिता चौधरी आदि शिक्षक थे। (संवाद)

दैनिक भास्कर
epaper.dainikbhaskarup.com
18 Nov 2024 - DB Lucknow 18 Nov 2024 WEB16

9वें दीक्षांत समारोह का हुआ पूर्व अभ्यास

बीकेटी लखनऊ। राजधानी के भाषा विश्वविद्यालय में 9वे दीक्षांत समारोह का आयोजन जहां आज होगा वही समारोह की पूर्व संध्या पर भाषा विश्वविद्यालय की मीडिया कमेटी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन प्रशासनिक भवन में किया गया जिसमें भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति नरेंद्र बहादुर सिंह ने दीक्षांत समारोह के विषय में जानकारी दी। दीक्षांत समारोह 18 नवंबर को आयोजित किया जाएगा जिसमें उत्तर प्रदेश की राज्यपाल कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल सीपेट के डायरेक्टर जनरल प्रोफेसर सिन्हा मुख्य अतिथि होंगे।

परिश्रम से हासिल करें लक्ष्य : राज्यपाल

काकोरी की छात्रा संजीवनी यादव को विशिवद्यालय टॉप करने पर स्वर्ण पदक से किया सम्मानित

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में सोमवार को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय,लखनऊ का नवम दीक्षांत समारोह सम्पन्न आयोजित किया गया।इस अवसर पर राज्यपाल ने 149 मेधावी विद्यार्थियों को पदक तथा 1430 को उपाधियां प्रदान कीं।

दीक्षांत समारोह में 64 प्रतिशत पदक छात्राओं द्वारा प्राप्त किए जाने पर राज्यपाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों को बधाई दी।उन्होंने जिन विद्यार्थियों को पदक नहीं मिले उन्हें निराश न होने का संदेश देते हुए कहा कि परिश्रम और ज्ञान प्राप्ति को हमेशा अपना लक्ष्य बनाना चाहिए।उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पुस्तकें पढ़ने का निर्देश देते हुए कहा कि पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं और जीवन में उपयोगी साबित होती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के प्रयास और उपलब्धियाँ उनके माता-पिता,शिक्षकों,विश्वविद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल उपाधियाँ प्रदान करने तक सीमित न रहे,बल्कि यह

छात्रा को सम्मानित करतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल।

सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि विद्यार्थी इन उपाधियों के योग्य बनें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दें। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने विश्व के वर्तमान परिदृश्य पर विचार रखते हुए कहा कि आज कई देश युद्ध की विभीषिका से प्रभावित हो रहे हैं,जबकि भारत अपने दूरदर्शी नेतृत्व के कारण नवाचार को आधार बनाकर प्रगति कर रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालयों की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि संस्थानों को विद्यार्थियों में जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए।साथ ही,विद्यार्थियों के नवीन विचारों को मूर्त रूप देने के लिए उनके विचारों की पहचान और प्रोत्साहन करना चाहिए।समारोह में कुलाधिपति जी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्यों में समाज और देश का कल्याण निहित होना चाहिए। उन्होंने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति और ज्ञान की विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे प्राचीन ऋषि-मुनियों ने कई शोध और आविष्कार किए हैं,जिनका लाभ आज दुनिया उठा रही है।राज्यपाल जी ने ऋषि भारद्वाज का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने विमान का आविष्कार किया था,लेकिन इसका श्रेय अन्य देश को मिल गया और अब इसे राइट ब्रदर्स

» प्राचीन पुस्तकों के अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करें

» भारतीय संस्कृति व ज्ञान की विरासत का उल्लेख किया

का आविष्कार माना जाता है।राज्यपाल जी ने कहा कि हमारे प्राचीन ग्रंथों में ऐसे अनगिनत ज्ञान छिपे हुए हैं,जिन्हें विद्यार्थियों को पढ़ने और समझने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय को निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को हमारी प्राचीन पुस्तकों के अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करें,ताकि उन्हें यह समझ में आ सके कि हमारे पूर्वजों ने कितना अद्वितीय शोध और आविष्कार किया था। क्योंकि ये पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने समारोह में काकोरी विकास खण्ड की ग्राम पंचायत जगतापुर के निवर्तमान ग्राम प्रधान एवं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ राम सिंह यादव उर्फ प्रताप सिंह की बेटी संजीवनी यादव को विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) से सम्मानित किया।

‘कुंभकर्ण टेक्नोक्रेट था, रावण ने उड़ाई अफवाह’

वो 6 महीने सोता नहीं, बल्कि गुप्त यंत्र बनाता था: राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

लखनऊ। कुंभकर्ण टेक्नोक्रेट (तकनीक का विशेषज्ञ) था। वह 6 महीने सोता नहीं, बल्कि गुप्त तरीके से रिसर्च करके यंत्र बनाता था। रावण ने लोगों से यह बात छिपाने के लिए अफवाह उड़ाई थी कि कुंभकर्ण 6 महीने सोता है। रावण ने किस विमान से सीता का अपहरण किया था? क्या आपने कभी सोचा। यह 5 हजार साल पुराना ज्ञान है, जिससे हमें दूर रखा गया। आज वह नॉलेज हमारे पास नहीं है, लेकिन किताबों में लिखा है।

यह बातें राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने सोमवार को लखनऊ के ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह में कही। उन्होंने 149 छात्रों को मेडल दिए। इसके अलावा 1421 छात्रों को डिग्री दी। दो महीने पहले मैं रामपुर की रजा लाइब्रेरी गई थी। मैंने वहां दो हजार साल पुरानी किताबें देखी, जिसमें रंगीन चित्र बने थे। उसमें केमिकल का इस्तेमाल नहीं हुआ था। ये सभी चित्र वनस्पतियों से बनाए गए थे। पीएम मोदी की लीडरशिप में यूक्रेन में फंसे हुए विद्यार्थियों लाया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ तो तमाम देश किसी एक के पक्ष में आ गए। भारत ने ऐसा नहीं किया। हमने हमेशा शांति की बात की। युद्ध के दौरान घायलों को दवा, खाना और कपड़े भेजने में भारत आगे रहा। पीएम मोदी को कई देशों ने सर्वश्रेष्ठ अवॉर्ड देकर सम्मानित किया है। कल ही उन्हें 19वें देश ने सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार दिया। ये पुरस्कार पाना आसान नहीं होता। 5 करोड़ की जनसंख्या वाले राष्ट्र को यह मिलना आसान है, लेकिन 140 करोड़ की जनसंख्या वाले के लिए बेहद कठिन है। वर्ल्ड की टॉप 100 में यूपी की 4 यूनिवर्सिटी है। हम मेहनत करेंगे तो अमेरिका से भी आगे जा सकते हैं। यूपी की कुल 12 यूनिवर्सिटी को फौ रैंकिंग मिली, इनमें से 6 सरकारी यूनिवर्सिटी है। जिसकी कोई कल्पना नहीं करता था। यूपी की 12 यूनिवर्सिटी को । और । मिला। इन्हें केंद्र सरकार 740 करोड़ रुपए दे रही है। अब सुपर कंप्यूटर आ चुका है। आप मोबाइल लेकर बैठते हो तो क्या देखते हो? मोबाइल में भारत सरकार की स्कीम्स देखो, उनका लाभ लो। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा- जब हम किसी भाषा को पढ़ना और बोलना बंद कर देते हैं, तो वो विलुप्त हो जाती है। ऐसे में उसकी मौत हो जाती है। मेरा यही कहना है कि आप सभी लोग ईमानदारी से काम करें। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा- कोई ऐसी शिक्षा नहीं हो सकती कि जो भारत तेरे टुकड़े होंगे के नारे लगवाए। रेल की पटरियों पर बड़े अवरोध डाल दें। ऐसा कोई शिक्षण संस्थान नहीं है। शिक्षा इंसान बनाती है। इंसानियत को अपनाना सिखाती है। हैवान नहीं बनाती। राष्ट्र के दायित्व के निर्वहन का बोध सीखाती है।

कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने कहा- इस सत्र में 73 शोधपत्र प्रकाशित हुए। इसके अलावा 2 राष्ट्रीय और 2 इंटरनेशनल लेवल के पेटेंट हासिल किए गए। गांव को गोद लेने के बाद विश्वविद्यालय में ज्ञान पाठशाला का भी आयोजन किया जा रहा है। 5 क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ाई की शुरुआत करने के साथ भाषा विज्ञान का कोर्स भी शुरू किया जाएगा। लीगल ऐड सेंटर भी स्थापित किया जाएगा। प्रो. शिशिर सिन्हा ने कहा भारत में सबसे ज्यादा यूथ पॉपुलेशन है। सबसे तेज बढ़ती इकोनॉमी भी है। स्टार्टअप और इनोवेशन के साथ आपको सीखना चाहिए। मेरा मानना है कि जब मैंने सीखना छोड़ दिया, मेरी जिंदगी में ठहराव हो गया। भारत लंबे समय से वैल्यू बेस एजुकेशन का गढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने युवाओं से की अपील-

स्वरोजगार की दिशा में काम करें छात्र

लखनऊ, (संवाददाता)। मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षा समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि वर्तमान समय में हर किसी को नौकरी मिलना संभव नहीं है। छात्रों को अपने कौशल को विकसित कर स्वरोजगार की दिशा में काम करना चाहिए।

दीक्षांत समारोह।

राज्यपाल ने युवाओं से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने विचारों और प्रस्तावों को कार्यान्वित करें और समाज में बदलाव लाने की कोशिश करें। समारोह में राज्यपाल ने सभी विषयों के टॉपर छात्र-छात्राओं को पदक और उपाधि भी दी।

समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. शिशिर सिन्हा, महानिदेशक, सीपेट को डी.लिट की मानद उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने छात्रों से अपने ज्ञान को नैतिक मूल्यों और प्रयोगात्मक विज्ञान से जोड़ने की प्रेरणा दी। प्रो. सिन्हा ने 'अनंत खेल' की अवधारणा बताते हुए कहा कि अब दौड़ का उद्देश्य पहले खत्म करना नहीं, बल्कि लगातार सीखते और आगे बढ़ते रहना है। भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों ने विज्ञान और तकनीक की नींव रखी है, जिसे अपनाकर भारत को 'विश्वगुरु' बनाया जा सकता है।

समारोह का समापन उत्कृष्ट छात्रों को सम्मानित करने और समाज व मानवता की सेवा के लिए समर्पण की अपील के साथ हुआ। राज्यपाल और मुख्य अतिथि दोनों ने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने कौशल का उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

गायब हो गई बेटी..
...नारे मिली लाश

...खनऊ में सोमवार को किशोरी का शव नहर ...जाने की आंशका जताई जा रही है। सूचना ...हुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण करके मौजूद लोगों से बात करके

गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के निवासी मजदूर सनीफ (16) का शव सुबह गांव किनारे पड़ा मिला। शव लोगों की भीड़ लग गई। ...का है कि गला कसकर हत्या की गई है। ...से बेटी लापता थी। हम लोग उसे तलाश ... आज सुबह लाश पड़ी मिली।

...र प्रदेश से मुद्रित करवाकर, कार्यालय 54, कन्हई खेड़ा, कैम्पवेल रोड, लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाशित किया।

...9838587870 E-MAIL : badaltawaqt@yahoo.in

भाषा विश्वविद्यालयः 9वें दीक्षांत समारोह में मिले 149 पदक, छात्रों में दिखा उत्साह और रौनक

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। सीतापुर हरदोई रोड स्थित ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो एन बी सिंह के मार्गदर्शन में 9वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता कुलाधिपति द्वारा किया गया। समारोह की शुरुआत शोभा यात्रा के साथ प्रारम्भ हुई जिसका नेतृत्व कुलसचिव, डॉ महेश कुमार ने किया । शोभा यात्रा के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगीत वंदेमातरम् प्रस्तुत किया। जिसके उपरांत पर्यावरण संरक्षण से संबंधित काव्य पाठ भी किया गया। तदोपरांत विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय की गरिमामय गाथा उसके कुलगीत के रूप में लयबद्ध की गई। वहीं कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कुलपति प्रो० एन बी द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलाधिपति महोदया एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को पुष्प भेंट किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका में प्रो शिशिर सिन्हा, महानिदेशक, सिपेट, भारत सरकार रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं रजनी तिवारी, राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई । समारोह में स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने 9वें दीक्षांत में आए सभी आगंतुकों का स्वागत किया। कुलपति ने कहा कि राज्यपाल के मार्गदर्शन से विद्यार्थी चरित्र निर्माण कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है। भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय का नाम रौशन कर रहे हैं। वहीं उनके द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या भी प्रस्तुत की गई। उसके बाद सभी संकाय अध्यक्षों ने अपने अपने संकाय के पदक एवं पीएच. डी. उपाधि धारकों के लिए कुलपति के द्वारा उपाधि एवं दीक्षा देने की घोषणा की औपचारिकता की गई। दीक्षा कार्यक्रम के पश्चात राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी की डिग्रियां को डिजी लॉकर पर अपलोड करने का उद्घाटन किया गया। इसके पश्चात पीएच. डी. डिग्रियों का वितरण किया गया। इसके बाद पदक वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें मुख्यत 61 स्वर्ण पदक सहित 149 रजत एवं कांस्य पदक राज्यपाल, आनंदी बेन पटेल, मुख्य अतिथि, शिशिर सिन्हा, विशिष्ट अतिथि, योगेन्द्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, विशिष्ट अतिथि, रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री और कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने प्रदान किए। तदुपरान्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, शिशिर सिन्हा (CPET) को डी. लिट की मानद उपाधि एवं मान पत्र राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, शिशिर सिन्हा ने बोलते हुए कहा की विश्वविद्यालय के नवम् दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग करना उनके लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उन्होंने अपने अभिभाषण में विश्वविद्यालय, शिक्षकों एवं अभिभावक गणों की सराहना करते हुए उन्हें विद्यार्थियों के साथ साथ शुभकामनाएँ दीं । उन्होंने सभी उपाधि प्राप्तकर्ताओं से अपेक्षा की कि वे विज्ञान और नैतिक मूल्यों को मिश्रित कर अपने जीवन में आत्म सात करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सबसे अधिक युवा जनसंख्या है जिसके कारण हमारा देश एक तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था की श्रेणी में शुमार हो चुका है। उन्होंने विज्ञान और तकनीक पर जोर देते हुए भविष्य के भारत की कल्पना करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को लर्निंग के साथ साथ अनलर्न के स्किल्स को सीखने की सलाह दी। वहीं अपने उद्बोधन में आनंदीबेन पटेल ने लड़कियों द्वारा सर्वाधिक मेडल प्राप्त करने पर हर्ष व्यक्त किया एवं सभी को बधाई दी । अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि परिश्रम करना हमारा कर्तव्य है एवं अवॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण ज्ञान होता है जो सदैव उपयोगी होता है। और इसी वजह से आप पढ़ते रहिए साथ ही लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों का भी लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने इतिहास पर प्रकाश डालते हुए इस कहा की विदेश से लोग आए और हमारी तकनीक को अध्यन कर कई अविष्कार कर अपने नाम कर लिया । साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय से कहा की अलग अलग भाषाओं में लिखी गई पुस्तकों का अनुवाद होना चाहिए जिससे हमारे युवा वर्ग को हमारे समृद्ध ज्ञान एवं कौशल से अवगत कराया जा सके । साथ ही पाठ्यक्रमों में भी इस बारे में उल्लेख होना चाहिए की विद्वानों ने किस तरह ये सब लिखा है । उन्होंने अपने वक्तव्य में ये भी कहा की उपाधि प्राप्तकर्ताओं के साथ साथ ये प्रदेश एवं देश की भी उपलब्धि है। क्योंकि किसी भी देश के विकास कि परिभाषा वहाँ के नागरिकों के शिक्षा के स्तर से आंकी जाती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दीक्षांत समारोह का अवसर आपके लिए अपनी उपलब्धियों पर गौरवान्वित होने के साथ साथ आप द्वारा भविष्य के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों पर अग्रसर होने का भी अवसर है । आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि विद्या वो है जो हमें बंधनों से मुक्त करे। इसके पश्चात् कुलाधिपति द्वारा विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया गया। वहीं उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का अर्जन समाज के हित में लगाना चाहिए। नवम् दीक्षांत समारोह में बोलते हुए उन्होंने यह भी कहा कि NAAC की तैयारी आप की लगभग हो चुकी है अब एनआईआरएफ की तरफ प्रयासरत हों। दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. नीरज शुक्ला ने किया। इस अवसर पर वित्त अधिकारी साजिद आजमी कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ भावना मिश्रा, दीप्ति मिश्रा, प्रो चन्दना डे, प्रो मसूद आलम, प्रो हैदर अली, प्रो तनवीर खदीजा, सहित समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी।

जागरण सिटी

दैनिक जागरण

लखनऊ

www.jagran.com

रामकृपा सुख पुंज ||

विद्या बालन में दिखती है मीना कुमारी : इला अरुण ||

|| प्रणाम ||

- सेंट जोसेफ ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से तीन दिवसीय नेहरू मेमोरियल इंटर स्कूल वार्षिक खेल बैठक स्पर्धा – 2024 का शुभारंभ, केडी सिंह बाबू स्टेडियम, सुबह 9:30 बजे। (उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहेंगे)।
- उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय एवं नवयुग कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्व धरोहर सप्ताह, कालेज परिसर, सुबह 10 बजे।
- रोजगार मेले का आयोजन, सेवा योजन कार्यालय, लालबाग, सुबह 10 बजे।
- श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, कालेज परिसर, सुबह 10 बजे।
- सीवर, सड़कों का शिलान्यास, कृष्णा देवी गर्ल्स महाविद्यालय परिसर, सुबह 11 बजे।
- मनोकामना देवी मंदिर व आर्य सिद्धि धाम की ओर से कंबल वितरण एवं प्रसाद भंडारा, मंदिर परिसर, दुर्गा पुरी, नीलमथा, सुबह 11 बजे।
- लखनऊ केमिस्ट एसोसिएशन की ओर से मुफ्त चिकित्सा शिविर, एसोसिएशन कार्यालय, शाह काम्प्लेक्स, अमीनाबाद, सुबह 11 बजे।

'सरकारी नौकरी के पीछे न भागें, कौशल को बढ़ाकर रोजगार पाएं युवा'

राजभवन : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षा समारोह में मेधावियों को मिले पदक

1431 उपाधियां डिजिलाकर में अपलोड

64 प्रतिशत पदक पर छात्राओं का कब्जा

149 पदक

61 स्वर्ण पदक

54 छात्रों को पदक

95 छात्राओं को पदक

जासं, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसी) के नौवें दीक्षा समारोह में पदक मिलने के बाद मेधावियों के चेहरे पर खुशी दिखी। परिसर में खुले आसमान के नीचे बने भव्य पंडाल में दीक्षा समारोह में 149 मेधावी छात्र-छात्राओं ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक दिए गए। 1430 विद्यार्थियों को उपाधियां मिलीं। उपाधियों को डिजिलाकर पर अपलोड किया गया। मंच पर पदक पाने में छात्राओं की संख्या अधिक रही। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। साथ ही इस बात पर जोर भी दिया कि युवाओं को सरकारी नौकरी के पीछे भागने की जगह युवाओं को अपने कौशल को बढ़ाते हुए रोजगार प्राप्त करना चाहिए।

दीक्षा में बीए अरबी में सर्वाधिक अंक पाने वाले मोहम्मद अबीहुल्लाह को सबसे प्रमुख पदक में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती स्वर्ण पदक के साथ दो स्वर्ण पदक मिले। कुलाधिपति स्वर्ण पदक बीसीए में सबसे अधिक अंक पाने वाले शुभम सिंह को मिला। इसके बाद अन्य मेधावियों को एक-एक करके पदक दिए गए। अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल ने सरकार के बजट में शिक्षा के लिए आवंटित बड़ी राशि का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालयों को इस दिशा में प्रोजेक्ट बनाने और विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाने का निर्देश भी दिया। साथ ही विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पुस्तकें पढ़ने की सलाह भी दी। भारतीय संस्कृति और ज्ञान की विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे प्राचीन ऋषि मुनियों ने कई शोध और आविष्कार किए हैं, जिनका लाभ आज दुनिया उठा रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को केवल उपाधियां देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। विद्यार्थी इन उपाधियों के योग्य बनें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दें इसका भी प्रयास करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने सभी मेधावियों को बधाई देते हुए कहा कि जिन्होंने मेडल प्राप्त किया, उन्हें समाज में माडल बनाना चाहिए। शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने सभी को बधाई दी। कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। संचालन डा. नीरज शुक्ला ने किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की परियोजना का शिलान्यास और शिक्षकों की लिखी पुस्तकों का विमोचन भी किया। साथ ही आंगनबाड़ी को किट और विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव के स्कूलों के बच्चों को पुरस्कृत किया।

ज्ञान को नैतिक मूल्यों से जोड़ें युवा : मुख्य अतिथि केंद्रीय पेट्रो केमिकल्स इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के महानिदेशक प्रो. शिशिर सिन्हा को दीक्षा समारोह में डीलिट की मानद उपाधि दी गई। उन्होंने छात्रों से कहा कि यह दिन न केवल डिग्री प्राप्त करने का है, बल्कि अपने जीवन में नए अध्याय की शुरुआत का भी है। अपने ज्ञान को नैतिक मूल्यों से जोड़ने और प्रयोगात्मक विज्ञान को अपनाने की जरूरत है। आज के युवाओं को विज्ञान और तकनीकी विकास के जरिए आत्मनिर्भरता की दिशा में काम करना चाहिए। दुनिया तेजी से बदल रही है और सफलता के लिए नई चीजें सीखते रहना जरूरी है। भारतीय ज्ञान परंपरा की चर्चा करते हुए बताया कि हमारे पूर्वजों के सिद्धांत और आविष्कार आज भी प्रासंगिक हैं।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में मेधावियों के साथ कुलाधिपति, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, राज्य मंत्री रजनी तिवारी, प्रो. शिशिर सिन्हा, कुलपति प्रो. एन बी सिंह व अन्य • जागरण

> बिहार के वैशाली का रहने वाला हूं। अरबी से स्नातक करने के बाद इस समय दिल्ली यूनिवर्सिटी से अरबी में ही एमए कर रहा हूं। आगे पीएचडी करके शिक्षक बनने की इच्छा है।
>
> -मोहम्मद अबीहुल्लाह, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती स्वर्ण पदक

> कुलाधिपति पदक के साथ कुल चार स्वर्ण पदक मिले हैं, बचपन से कंप्यूटर के प्रति रुझान था, इसलिए 12वीं के बाद बीसीए करने का निर्णय लिया। मेरे पापा नगालैंड में पावर सेक्टर में कार्यरत हैं, अब मैं अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से एमसीए कर रहा हूं।
>
> -शुभम कुमार सिंह, कुलाधिपति पदक

इन्हें मिले स्वर्ण पदक

बीटेक के टापर अतुल यादव को कुलाधिपति पदक मिला। बीएड की टापर ऋतु वर्मा, बीकाम में श्रेया तोमर, एमए अरबी में अब्दुल अलीम खान, एमए शिक्षा शास्त्र में निकिता श्रीवास्तव, एमबीए में कायनात खान, एमसीए में आकिब अंसारी, एलएलएम में अनम हुसैन, एमटेक में राजेश शर्मा, बीए आनर्स उर्दू में अनम फातमा, बीए फारसी में अमीर फातमा, बीए हिंदी आनर्स में सजीवनी यादव, बीए अंग्रेजी आनर्स में नूरी सिद्दीकी, बीए आनर्स भूगोल में दीक्षा पांडेय, बीए आनर्स शिक्षा शास्त्र में पूर्णिमा यादव, बीए अर्थशास्त्र में हयात फातिमा, बीए आनर्स राजनीति में महविश खान, बीए आनर्स समाजशास्त्र में आदित्य प्रताप सिंह, बीए आनर्स इतिहास में डिजल यादव को स्वर्ण पदक मिला। अन्य छात्र-छात्राओं को भी स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक दिए गए।

दीक्षा समारोह में प्रो. शिशिर सिन्हा को मानद उपाधि से सम्मानित करतीं कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल साथ में कुलपति प्रो. एन बी सिंह • जागरण

भाषा विवि के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बोलीं...

'नौकरी के पीछे न भागें, काबिल बनें'

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

आज हर युवा चाहता है कि पढ़ाई पूरी होने के बाद सरकारी नौकरी मिल जाए। हाल में पुलिस भर्ती की परीक्षा में 45 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए। सबको सरकारी नौकरी देना संभव नहीं है। ऐसे में नौकरी के पीछे भागने से अच्छा है कि खुद को काबिल बनाएं। पीएम इंटर्नशिप योजना समेत सरकार कई योजनाएं चला रही है, उनके बारे में जानें। हमारी चीजों की स्टडी कर विदेशों में नई नई खोजें हो रही हैं, और हमें ही अपनी चीजों की जानकारी नहीं है। इसलिए पढ़ें और देश के लिए कुछ करें, क्योंकि अगर आप देश के लिए कुछ नहीं कर सकते तो उंगली उठाने का भी अधिकार नहीं है। यह बात राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने सोमवार को भाषा विवि के दीक्षांत समारोह के दौरान कही।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का नौवां दीक्षांत समारोह सोमवार को हुआ। इसमें मेधावियों को कुल 149 और 1431 स्टूडेंट्स को डिग्री दी गई। बीए के जबीहुल्लाह को यूनिवर्सिटी मेडल और शुभम कुमार सिंह को कुलाधिपति मेडल दिया गया। राज्यपाल ने मेधावियों को सम्मानित करने के साथ ही कई परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया गया। इसमें 1200 की क्षमता वाला प्रेक्षागृह का शिलान्यास, जबकि 125 केवीए का सोलर पैनल और लैब समेत ईआरपी पोर्टल का लोकार्पण किया। इस मौके पर सीपैट के महानिदेशक प्रो. शिशिर सिन्हा को डीलिट की मानद उपाधि से नवाजा गया।

समारोह में दिए गए 149 मेडल, 95 पर छात्राओं का कब्जा

हिजाब हटाने पर आपत्ति

मेडल पाने वालों में काफी संख्या में ऐसी मुस्लिम छात्राएं भी शामिल रहीं जो हिजाब में मेडल लेने पहुंचीं। ऐसे में मेडल लेने के लिए मंच पर जाने से पहले हिजाब हटवाया गया। बिहार की सादिया परवीन ने बताया हिजाब हटाने से इनकार करने पर प्रोटोकॉल का हवाला दिया गया। वहीं बिहार की ही एक अन्य छात्रा बुशरा को हिजाब हटाने से इनकार पर मेडल की लाइन से बाहर कर दिया गया। इसके बाद परिजनों ने आपत्ति जताई तो उसे कुछ सीनियर शिक्षकों के हस्तक्षेप के बाद मेडल के लिए मंच पर भेजा गया।

'टेक्नोक्रेट था कुंभकरण, छह महीने सोने की बात अफवाह'

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि लोगों को अपने इतिहास के बारे में जानना चाहिए। कुंभकरण के लिए अफवाह है कि वो छह महीने सोता था लेकिन ये सही नहीं है। असल में वो टेक्नोक्रेट था और छह महीने हथियार व उपकरण बनाता था। रावण का निर्देश था कि छह महीने किसी के सामने आए बिना ये काम करो। यही वजह है कि लोगों ने अफवाह उड़ाई कि कुंभकरण छह महीने सोता है।

समारोह के दौरान राज्यपाल ने विवि के सात शिक्षकों की पुस्तकों का विमोचन भी किया।

लगातार सीखने की जरूरत

मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. शिशिर सिन्हा ने कहा कि भारत में सबसे अधिक जनसंख्या युवाओं की है। आज हम बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। हर क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहा है। इसलिए हमें लगातार सीखने की जरूरत है। खासकर युवा नई-नई तकनीक से खुद को अपडेट करें। आज पूरा विश्व भारत की तरफ देख रहा है। फिर चाहे वह फार्मा हो या एस्ट्रोलॉजी, न्यूक्लियर साइंस हो या स्पेस साइंस, हर सेक्टर में भारत लीड कर रहा है। ऐसे में हम हमारे पास मौकों की कमी नहीं है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि जब पूरा विश्व कोविड में जीवन को बचाने की जुगत में था उस वक्त हम नई शिक्षा नीति पर काम कर रहे थे और उसे लेकर आए। शिक्षा को रोजगार और तकनीक से जोड़ने का काम किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी मौजूद रहीं।

मो. जबीहुल्लाह को चिश्ती सहित तीन गोल्ड

■ एनबीटी सं., लखनऊ: दीक्षांत समारोह में चिश्ती सहित तीन गोल्ड मेडल हासिल करने वाले *मो. जबीहुल्लाह* पहले नंबर पर रहे। बिहार निवासी जबीहुल्लाह ने बताया कि हाफिज के बाद नदवे से आलिमत की पढ़ाई की। इसके बाद भाषा विवि में अरबी से बीए ऑनर्स किया। वर्तमान में दिल्ली विवि से एमए कर रहे जबीहुल्लाह आगे चलकर अकैडमिक्स में जाना चाहते हैं।

चांसलर मेडल समेत चार गोल्ड मेडल मिले हैं। बचपन से कंप्यूटर में रुझान होने के चलते बीसीए करने का निर्णय लिया और भाषा विवि में दाखिला लिया। अब एएमयू से एमसीए कर रहा हूं।

–शुभम सिंह, चार गोल्ड मेडल

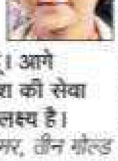

मेरे अंकल सिविल सेवा में थे, उनके काम से बहुत प्रभावित हुई और सिविल सेवा की तैयारी कर रही हूं। आगे चलकर देश की सेवा करने का लक्ष्य है।

–श्रेया तोमर, तीन गोल्ड मेडल

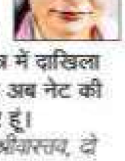

हमेशा से पढ़ाना पसंद था, इसलिए बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती थी। बीएड करने के बाद एमए शिक्षाशास्त्र में दाखिला लिया और अब नेट की तैयारी कर हूं।

–निकिता श्रीवास्तव, दो गोल्ड मेडल

आईटी से ग्रैजुएशन किया और एलयू से एमएससी किया। एलयू में भी मेडलधारकों की सूची में जगह मिली। मां एक स्कूल टीचर है और मैं भी उनकी तरह टीचर बनना चाहती हूं।

– रितु वर्मा, दो गोल्ड मेडल

अवॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण ज्ञान होता है : आनंदीबेन पटेल

अवधनामा संवाददाता

भाषा विश्वविद्यालयः 9वें दीक्षांत समारोह में मिले 149 पदक

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। सीतापुर हरदोई रोड स्थित ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति महोदय प्रो एनबी सिंह के मार्गदर्शन में 9वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलाधिपति द्वारा किया गया। समारोह की शुरुआत शोभा यात्रा के साथ प्रारम्भ हुई जिसका नेतृत्व कुलसचिव, डॉ महेश कुमार ने किया। शोभा यात्रा के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगीत वंदेमातरम् प्रस्तुत किया।जिसके उपरांत पर्यावरण संरक्षण से संबंधित काव्य पाठ भी किया गया। तदोपरांत विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय की गरिमामय गाथा उसके कुलगीत के रूप में लयबद्ध की गई।

वहीं कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कुलपति महोदय प्रो० एनबी द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलाधिपति महोदया एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल को पुष्प भेंट किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका में प्रो शिशिर सिन्हा, महानिदेशक, सिपेट, भारत सरकार रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं रजनी तिवारी, राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

समारोह में स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने 9वें दीक्षांत में आए सभी आगंतुकों का स्वागत किया। कुलपति ने कहा कि राज्यपाल के मार्गदर्शन से विद्यार्थी चरित्र निर्माण कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है। भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय का नाम रौशन कर रहे हैं। वहीं उनके द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या भी प्रस्तुत की गई।

उसके बाद सभी संकाय अध्यक्षों ने अपने अपने संकाय के पदक एवं पीएच. डी. उपाधि धारकों के लिए कुलपति के द्वारा उपाधि एवं दीक्षा देने की घोषणा की औपचारिकता की गई। दीक्षा कार्यक्रम के पश्चात राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी की डिग्रियां को डिजी लॉकर पर अपलोड करने का उद्घाटन किया गया। इसके पश्चात पीएच. डी. डिग्रियों का वितरण किया गया। इसके बाद पदक वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें मुख्यत 61 स्वर्ण पदक सहित 149 रजत एवं कांस्य पदक राज्यपाल, आनंदी बेन पटेल, मुख्य अतिथि, शिशिर सिन्हा, विशिष्ट अतिथि, योगेन्द्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, विशिष्ट अतिथि, रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री और कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने प्रदान किए। तदुपरान्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, शिशिर सिन्हा को डी. लिट की मानद उपाधि एवं मान पत्र राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, शिशिर सिन्हा ने बोलते हुए कहा की विश्वविद्यालय के नवम् दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग करना उनके लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

परिश्रम करना हमारा कर्तव्य : राज्यपाल

आनंदीबेन पटेल ने लड़कियों द्वारा सर्वाधिक मेडल प्राप्त करने पर हर्ष व्यक्त किया एवं सभी को बधाई दी। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि परिश्रम करना हमारा कर्तव्य है एवं अवॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण ज्ञान होता है जो सदैव उपयोगी होता है। और इसी वजह से आप पढ़ते रहिए साथ ही लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों का भी लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने इतिहास पर प्रकाश डालते हुए इस बात की विदेश से लोग आए और हमारी तकनीक को अपनाकर कई अविष्कार कर अपने नाम कर लिया। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय से कहा की अलग अलग भाषाओं में लिखी गई पुस्तकों का अनुवाद होना चाहिए जिससे हमारे युवा वर्ग को हमारे समृद्ध ज्ञान एवं कौशल से अवगत कराया जा सके। साथ ही पाठ्यक्रमों में भी इस बारे में उल्लेख होना चाहिए की विद्वानों ने किस तरह ये सब लिखा है। उन्होंने अपने वक्तव्य में ये भी कहा की उपाधि प्राप्तकर्ताओं के साथ साथ ये प्रदेश एवं देश की भी उपलब्धि है। क्यूंकि किसी भी देश के विकास कि परिभाषा वहाँ के नागरिकों के शिक्षा के स्तर से आंकी जाती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दीक्षांत समारोह का अवसर आपके लिए अपनी उपलब्धियों पर गौरवान्वित होने के साथ साथ आप द्वारा भविष्य के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों पर अग्रसर होने का भी अवसर है।

भाषा विवि में मनाया गया संविधान दिवस

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। ग़ौरतलब है कि प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को भारतीय संविधान दिवस मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में विधि अध्ययन संकाय के द्वारा 75वें संविधान दिवस का आयोजन माननीय कुलपति प्रो. नरेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में किया गया। संविधान कार्यक्रम के इस आयोजन में कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को संविधान के प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। साथ ही शपथ को अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। संविधान दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय द्वारा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें भाषण, चित्रकला, रंगोली आदि का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. मसूद आलम, डॉ. नलिनी मिश्रा और डॉ. पूनम। चौधरी रहीं। शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, प्रो. चन्दना डे, डॉ. राम दास, डॉ लक्ष्मण सिंह और डॉ. शचींद्र शेखर सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाषा विवि में मनाया गया संविधान दिवस

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। ग़ौरतलब है कि प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को भारतीय संविधान दिवस मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में विधि अध्ययन संकाय के द्वारा 75वें संविधान दिवस का आयोजन माननीय कुलपति प्रो. नरेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में किया गया। संविधान कार्यक्रम के इस आयोजन में कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को संविधान के प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। साथ ही शपथ को अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। संविधान दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय द्वारा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें भाषण, चित्रकला, रंगोली आदि का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. मसूद आलम, डॉ. नलिनी मिश्रा और डॉ. पूनम। चौधरी रहीं। शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, प्रो. चन्दना डे, डॉ. राम दास, डॉ लक्ष्मण सिंह और डॉ. शचींद्र शेखर सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

amarujala.com/lucknow
city
लखनऊ | शनिवार • 09.11.2024
अमर उजाला 5

न्यूज डायरी

भाषा विविः सीआईपीईटी के निदेशक होंगे दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि

लखनऊ। भाषा विवि के नौवें दीक्षांत समारोह में प्रो. शिशिर सिन्हा दीक्षांत उद्‌बोधन देंगे। कुलाधिपति ने कार्यक्रम में उन्हें बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित करने की सहमति दे दी है। प्रो. सिन्हा केंद्रीय पेट्रोरसायन इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीईटी) के निदेशक हैं। भाषा विवि में 18 नवंबर को दीक्षांत समारोह प्रस्तावित है। समारोह में मुख्य अतिथि को ही मानद उपाधि देने का भी प्रस्ताव है। पत्र राजभवन भेजा गया है। अनुमति मिलते ही 11 नवंबर को प्रस्तावित कार्यपरिषद की बैठक में स्वीकृति दे दी जाएगी। (संवाद)